डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल्स

बिहार प्रक्षेत्र

अर्द्ध-वार्षिक परीक्षा- 2023-2024

वर्ग- दसवीं

समय : 3 घंटे **विषय- हिन्दी-अ (कोड-002)** **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न–पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) इस प्रश्न–पत्र में दो खंड हैं। खंड 'अ' और 'ब'।
खंड 'अ' में बहुविकल्पी / वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
(iii) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।
(iv) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार ही लिखिए।

खंड–'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **(1×3=3)**

जीवन में समय का नियोजन ही सफलता की कुंजी है। समय का चक्र अपनी गति से चल रहा है या यूँ कहें कि भाग रहा है। अक्सर इधर–उधर, कहीं–कहीं, किसी–न–किसी से यह सुनने को मिलता है कि क्या करें, समय ही नहीं मिलता। वास्तव में, हम निरंतर गतिमान समय के साथ कदम–से–कदम मिलाकर चल ही नहीं पाते और पिछड़ जाते हैं। चाणक्य ने कहा है – " जो व्यक्ति जीवन में समय का ध्यान नहीं रखता, उसके साथ असफलता और पछतावा ही लगता है।" कबीर दास जी ने भी, "काल करै सो आज कर, आज करै सो अब" कहकर काम को कल पर नहीं टालने की सीख दी है। समय जैसे बहुमूल्य धन को सोने–चाँदी की तरह संरक्षित नहीं रखा जा सकता, क्योंकि समय तो गतिमान है। इस पर हमारा अधिकार तभी तक है, जब तक हम इसका सदुपयोग करें अन्यथा यह नष्ट हो जाता है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम समय किस प्रकार व्यतीत कर रहे हैं, क्योंकि हम अपने भाग्य के निर्माण में अपनी सहायता कर रहे हैं। समय को नष्ट मत करो, क्योंकि यही जीवन की निर्माण विभूति है। समय का सदुपयोग बुद्धिमत्ता का परिचायक है। सामान्य व्यक्ति समय को गँवा देता है और बुद्धिमान उसका सदुपयोग करता है।

(i) जीवन में सफलता की कुंजी समय–नियोजन को बताया गया है–कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।

(i) समय–नियोजन से कुछ कार्य पूर्ण नहीं हो पाते।
(ii) निरंतर गतिमान समय के साथ चलकर ही सफलता प्राप्त होती है।
(iii) केवल परिश्रम करने से ही सफलता प्राप्त होती है।
(iv) समय देखकर चलने से सफलता मिलती है।

विकल्प

(क) (i) तथा (ii) सही है। (ख) कथन (iii) सही है।
(ग) कथन (ii) सही है। (घ) कथन (ii) व (iv) सही है।

(ii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि समय जैसे बहुमूल्य धन पर व्यक्ति का अधिकार तब तक रहता है।

(क) जब तक वह समय को बाँधकर नहीं रखता।

(ख) जब तक वह समय को देखता रहता है।

(ग) जब तक वह समय का सदुपयोग करता है।

(घ) जब तक वह समय का दुरूपयोग करता है।

(iii) कबीरदास जी की सीख को न मानने पर परिणाम होगा–

(क) अधूरे कार्य रहने से हम जीवन की दौड़ में पीछे रह जाएँगे।

(ख) हमारे कार्य पूरे हो जाएँगे।

(ग) हम अधिकांश कार्य कर पाएँगे।

(घ) हम सबसे आगे निकल जाएँगे।

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **(1×5=5)**

ढकेला था शिलाओं को,
गिरी निर्भीकता से मैं कई ऊँचे प्रपातों से,
वनों से कंदराओं में
भटकती–भूलती मैं
फूलती उत्साह से प्रत्येक बाधा–विघ्न को
ठोकर लगाकर–ठेलकर,
बढ़ती गई आगे निरंतर
एक तट को दूसरे से दूरतर करती।
बढ़ी संपन्नता के साथ
और अपने दूर तक फैले हुए
साम्राज्य के अनुरूप
गति को मंद कर–
पहुँची जहाँ सागर खड़ा था
फेन की माला लिए
मेरी प्रतीक्षा में,
यही इतिवृत्त मेरा।
मार्ग मैंने आप ही अपना बनाया था
मगर भूमि का दावा

कि उसने ही बताया था नदी को मार्ग
उसने ही चलाया था नदी को फिर
जहाँ–जैसे–जिधर चाहा,
शिलाएँ सामने कर दीं
जहाँ वह चाहती थी
रास्ते बदले नदी,
जरा बाएँ मुड़े
या दाहिने होकर निकल जाए,
स्वयं नीची हुई
गति में नदी के
वेग लाने के लिए
वहीं समतल
जहाँ चाहा कि उसकी चाल धीमी हो।
बताती राह,
गति को तीव्र अथवा मंद करती
जंगलों में और नगरों को चलाती
ले गई भोली नदी को भूमि सागर तक।
किधर है सत्य ?

(i) कविता की पंक्तियों में ऊँचे प्रपातों से गिरने की बात कौन कर रहा है?

(क) शिलाएँ (ख) नदी
(ग) कंदराएँ (घ) पर्वत

(ii) भूमि का दावा क्या है?

(क) नदी ने अपना रास्ता स्वयं बनाया
(ख) नदी ने अपना रास्ता स्वयं नहीं बनाया
(ग) नदी अपनी जगह से हिली नहीं
(घ) नदी को समुद्र ने बहाया

(iii) नदी की प्रतीक्षा में समुद्र क्या लिए खड़ा रहता है?

(क) मोतियों की माला (ख) फूलों की माला
(ग) झाग की माला (घ) कलियों की माला

(iv) नदी समुद्र के निकट पहुँचते समय अपनी गति को धीमा ..... कर देती है।

(क) थक जाने के कारण

(ख) मंजिल के पास पहुँचने के कारण

(ग) सुस्ती के कारण

(घ) सिकुड़ने के कारण

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए–

कथन (A) : नदी की तरह मनुष्य को लगन, उत्साह और निडरता से अपने पथ पर बढ़ना चाहिए।

कारण (R) : निर्भय तथा दृढ़ इच्छाशक्ति से ही जीवन पथ पर आने वाली मुसीबतों का पारकर आगे बढ़ा जा सकता है।

(क) कथन (A) : गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) : और कारण (R) दोनों ही गलत है।

(ग) कथन (A) : सही है और कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) : सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्यभेद पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(1×5=5)**

(i) वह नाश्ता करके विद्यालय चला गया। इसका संयुक्त वाक्य होगा।

(क) जब उसने नाश्ता किया, तब वह विद्यालय चला गया।

(ख) नाश्ता करते ही वह विद्यालय चला गया।

(ग) उसने नाश्ता किया और वह विद्यालय चला गया।

(घ) जैसे ही उसने नाश्ता किया, वैसे ही वह विद्यालय चला गया।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सही विकल्प को चुनिए –

कथन

(i) घंटी बजते ही अध्यापक जी ने प्रश्नपत्र बाँट दिए।

(ii) घंटी बजी इसलिए अध्यापक जी ने प्रश्नपत्र बाँट दिए।

(iii) घंटी बजने पर अध्यापक जी ने प्रश्नपत्र बाँट दिए।

(iv) जैसे ही घंटी बजी, वैसे ही अध्यापक जी ने प्रश्नपत्र बाँट दिए।

विकल्प

(क) केवल कथन (i) सही है।

(ख) कथन (i) तथा (ii) सही है।

(ग) कथन (iii) तथा (iv) सही है।

(घ) कथन (i) तथा (iii) सही है।

(iii) जैसे ही वर्षा हुई, वैसे ही गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इसका सरल वाक्य होगा–

(क) वर्षा हुई और गर्मी से थोड़ी राहत मिली।

(ख) वर्षा होते ही गर्मी से थोड़ी राहत मिली।

(ग) जब वर्षा हुई, तब गर्मी से थोड़ी राहत मिली।

(घ) जब–जब वर्षा होती है, तब–तब गर्मी से थोड़ी राहत मिलती है।

(iv) मैं जानता हूँ कि <u>वह क्या चाहता है</u>। रेखांकित उपवाक्य का भेद चुनिए–

(क) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(ख) प्रधान उपवाक्य

(ग) विशेषण आश्रित उपवाकय

(घ) क्रिया–विशेषण आश्रित उपवाक्य

(v) कॉलम I को कॉलम II के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

	कॉलम I		**कॉलम II**
1.	द्वितीय प्रश्न करो अथवा तृतीय प्रश्न करो।	(i)	मिश्र वाक्य
2.	वह संसद–सदस्य, जिसे देश–भर में सर्वाधिक मत मिले हैं, आज हमारे घर आएगा।	(ii)	सरल वाक्य
3.	ब्राह्मण वेद पाठ कर रहे हैं।	(iii)	संयुक्त वाक्य

विकल्प

(क) 1. (i), 2. (i), 3. (iii)

(ख) 1. (i), 2. (ii), 3. (iii)

(ग) 1. (iii), 2. (i), 3. (ii)

(घ) 1. (i), 2. (iii), 3. (ii)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1×5=5)

(i) उन्होंने बाजार से दुपट्टा खरीदा। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(क) वे बाजार से दुपट्टा खरीदते हैं।

(ख) उनके द्वारा बाजार से दुपट्टा खरीदा गया।

(ग) उनके बाजार से दुपट्टा खरीदा जाता है।

(घ) वे बाजार से दुपट्टा खरीदेंगे।

(ii) पक्षी उड़ते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

(क) पक्षी के द्वारा उड़ा जाएगा।

(ख) पक्षियों से उड़ा जाएगा।

(ग) पक्षी को उड़ाया जाएगा।

(घ) पक्षियों से उड़ा जाता है।

(iii) सोहन द्वारा सुंदर कविता लिखी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(क) सोहन ने सुंदर कविता लिखी।

(ख) सोहन से सुंदर कविता लिखी गई।

(ग) सोहन सुंदर कविता लिखेगा।

(घ) सोहन सुंदर कविता लिखता था।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण नहीं है–

(i) अशोक के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई।

(ii) मुझसे चला नहीं जाता।

(iii) बच्चे से रोया जा रहा है।

(iv) सीता से दौड़ा जाता है।

विकल्प

(क) केवल कथन (i) सही है।

(ख) केवल कथन (ii) और (iii) सही है।

(ग) कथन (ii), (iii) और (iv) सही है।

(घ) केवल कथन (iv) सही है।

(v) कॉलम I कॉलम II के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

	कॉलम I	**कॉलम II**
1.	अध्यापक ने बच्चों को पढ़ाया।	(i) भाववाच्य
2.	मेरे द्वारा खाना खाया जाएगा।	(ii) कर्तृवाच्य
3.	पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है।	(iii) कर्मवाच्य

विकल्प

(क) 1. (iii), 2. (i), 3. (ii)

(ख) 1. (ii), 2. (iii), 3. (i)

(ग) 1. (i), 2. (iii), 3. (ii)

(घ) 1. (iii), 2. (ii), 3. (i)

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×5

(i) राहुल <u>हवाई जहाज</u> से मुंबई गया। रेखांकित अंश का पद–परिचय होगा –

(क) हवाई जहाज से– व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक

(ख) हवाई जहाज से– जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक

(ग) हवाई जहाज से– जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक।

(घ) हवाई जहाज से – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अपादान कारक।

(ii) किसान खेत <u>जोत रहा</u> है। रेखांकित अंश का पद–परिचय होगा–

(क) जोत रहा है– अकर्मक क्रिया, वर्तमानकाल, एकवचन, पुल्लिंग

(ख) जोत रहा है – अकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, एकवचन, स्त्रीलिंग

(ग) जोत रहा है– सकर्मक क्रिया, वर्तमानकाल, एकवचन, पुल्लिंग

(घ) जोत रहा है– सकर्मक क्रिया, वर्तमानकाल, एकवचन, स्त्रीलिंग

(iii) <u>परिश्रमी</u> व्यक्ति कभी असफल नहीं होता। रेखांकित अंश का पद–परिचय होगा।

(क) परिश्रमी– गुणवाचक, विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य – 'व्यक्ति'।

(ख) परिश्रमी– गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य – 'व्यक्ति'।

(ग) परिश्रमी– गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, विशेष्य– 'व्यक्ति'।

(घ) परिश्रमी– सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य– 'व्यक्ति'।

(iv) <u>उसने फिर</u> कोई शरारत नहीं की। रेखांकित अंश का पद–परिचय होगा–

(क) उसने– पुरूषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक

(ख) उसने– पुरूषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, करण कारक।

(ग) उसने– सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक।

(घ) उसने– पुरूषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(v) <u>गंगा</u> हिमालय से निकलती है। रेखांकित अंश का पद–परिचय होगा–

(क) गंगा– जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

(ख) गंगा– व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

(ग) गंगा– व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक।

(घ) गंगा– जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, अपादान कारक।

6. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (1×4=4)

जन्मी तो मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में थी, लेकिन मेरी यादों का सिलसिला शुरू होता है अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के उस दो–मंजिला मकान से, जिसकी ऊपरी मंजिल में पिताजी का साम्राज्य था, जहाँ वे निहायत अव्यवस्थित ढंग से फैली–बिखरी पुस्तकों–पत्रिकाओं और अखबारों के बीच या तो कुछ पढ़ते रहते थे या फिर 'डिक्टेशन' देते रहते थे। नीचे हम सब भाई–बहिनों के साथ रहती थीं हमारी बेपढ़ी–लिखी व्यक्तित्वहीन माँ..... सवेरे से शाम तक हम सबकी इच्छाओं और पिता जी की आज्ञाओं का पालन करने के लिए सदैव तत्पर। अजमेर से पहले पिताजी इंदौर में थे जहाँ उनकी प्रतिष्ठा थी, सम्मान था, नाम था। कांग्रेस के साथ–साथ वे समाज–सुधार के कामों से भी जुड़े हुए थे। शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ–आठ, दस–दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढ़ाया है जिनमें से कई तो बाद में ऊँचे–ऊँचे ओहदे पर पहुँचे। ये उनकी खुशहाली के दिन थे और उन दिनों उनकी दरियादली के चर्चे भी कम नहीं थे। एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी।

(i) मन्नू भंडारी जी का जन्म कहाँ हुआ था।

(क) मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में

(ख) अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले में

(ग) गढ़वाल में

(घ) उत्तर–प्रदेश में

(ii) लेखिका के पिताजी का कमरा कैसा था?

(क) फटे–पुराने अखबारों से भरा हुआ।

(ख) अव्यवस्थित ढंग का, जिसमें अखबार एवं पुस्तक पत्रिकाएँ फैली रहती थीं।

(ग) व्यवस्थित रूप से सजा–धजा।

(घ) कपड़ों से भरा हुआ।

(iii) लेखिका के अनुसार उनकी माँ का व्यक्तित्व कैसा था?

(क) अनपढ़, धैर्यवान, सहनशील और जिम्मेदारियों के प्रति सजग।

(ख) चालाक, अहंकारी, गैर–जिम्मेदार

(ग) पढ़ी–लिखी, खुशमिजाज, जिम्मेदार।

(घ) समझदार, मृदुभाषी, उत्तम।

(iv) लेखिका के पिताजी का स्वभाव कैसा था?

(क) कोमल व्यक्तित्व के साथ क्रोधी और अहंवादी

(ख) कोमल व्यक्तित्व के साथ प्रेमी और मृदु

(ग) उत्साही, मृदु एवं जिम्मेदार

(घ) गैरजिम्मेदार घमंडी और अत्याचारी

(v) इंदौर में लेखिका के पिताजी की क्या स्थिति थी?

(क) समाज में उनका कोई सम्मान नहीं था।

(ख) वे बहुत जिद्दी थे।

(ग) समाज में उनसे कोई बात नहीं करता था।

(घ) इंदौर में उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी, नाम था। वे समाज सुधार से भी जुड़े हुए थे।

7. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनक लिखिए। **(1×2=2)**

(i) 'नवाब साहब ने बहुत यत्न से खीरा काटा, नमक–मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की बाहर फेंक दिया।' उन्होंने ऐसा किया होगा?

(क) खीरा कड़वा था

(ख) लेखक पर अपनी 'नवाबी–धाक' जमाने के लिए

(ग) खीरा सस्ता मिल गया था

(घ) खीरे को तुच्छ समझने के कारण

(ii) बालगोविन्द भगत जी अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस प्रकार व्यक्त कीं?

(क) आस–पास के लोगों को एकत्रित कर रोने लगे

(ख) सबको रोने के लिए कहकर

(ग) शव सजाकर, गीत गाकर और पतोहू को आनंदोत्सव मनाने के लिए कहकर

(घ) ऊँची आवाज में मंत्रों का उच्चारण

8. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विक चुनकर लिखिए। **(1×5=5**

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी।

प्रीति–नदी में पाउँ न बोरयो, दृष्टि न रूप परागी।

'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी।

(i) प्रस्तुत काव्य–पंक्तियों में कौन किससे कह रहे हैं?

(क) उद्धव गोपियों से (ख) गोपियाँ उद्धव से

(ग) उद्धव कृष्ण से (घ) कवि उद्धव से

(ii) उद्धव 'सनेह तगा' से अछूते क्यों है?

(क) उद्धव ब्रह्म के उपासक हैं

(ख) उद्धव के किसी से प्रेम नहीं किया

(ग) उद्धव निर्गुण ब्रह्म के उपासक हैं।

(घ) उद्धव प्रेम करने से डरते हैं।

(iii) .....को भाग्यवान कहा गया है।

(क) उद्धव को (ख) गोपियों को

(ग) कृष्ण को (घ) कवि सूरदास को

(iv) 'प्रीति–नदी' किसे कहा गया है?

(क) यमुना नदी को (ख) उद्धव को

(ग) गंगा नदी को (घ) कृष्ण को

(v) गोपियों ने गुड़ में चिपकी चींटी का उदाहरण देकर उद्धव को क्या बताना चाहा है?

(क) चींटियों को गुड़ से घृणा है।

(ख) गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रति अटूट व समर्पित प्रेम रखती है।

(ग) चींटियाँ गुड़ से बहुत प्यार करती है।

(घ) गुड़ और चींटी का प्रेम सर्वोपरि है।

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुन लिखिए। **(1×2=**

(i) 'राम–लक्ष्मण– परशुराम संवाद' में 'कौसिक' किसे कहा गया है ?

(क) परशुराम जी को (ख) लक्ष्मण को

(ग) विश्वामित्र जी को (घ) श्रीराम को

(ii) गोपियों ने नंद–नंदन को कहाँ बसाया हुआ है?

(क) अपने घर में (ख) अपने हृदय में

(ग) अपने सपनों में (घ) अपने बगीचे में

खंड–'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न) (40 अंक)

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25– शब्दों में लिखिए। **(2×3=**

(क) बालगोविन्द भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

(ख) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ग) नवाब साहब के किन हाव–भाव से यह महसूस हुआ कि वे लेखक से बातचीत के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं थे ?

(घ) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या भाव जगाता है?

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25– शब्दों में लिखिए । **(2×3=6**

(क) राजा का धर्म क्या है? राजधर्म की चर्चा करने से सूर तथा उनकी गोपियों की कौन–विशेषताएँ उभर कर सामने आती हैं?

(ख) कवि जयशंकर प्रसाद को ऐसा क्यों लगता है कि उसकी आत्मकथा को पढ़कर किसी को भी सुख अनुभूति नहीं होगी?

(ग) कविता का शीर्षक 'उत्साह' क्यों रखा गया है?

(घ) 'फसल' कविता में कवि ने 'फसल' को हजार–हजार खेतों की मिट्टी का गुण–धर्म कहा है। मिट्टी गुण–धर्म को पोषित करने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है?

12. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए–** **(4×2=8)**

(क) 'हमने मइयाँ के अँचल के प्रेम और शांति के चँदोवे की छाया न छोड़ी।' प्रस्तुत पाठ्यांश से आप किन मूल्यों का निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

(ख) 'माता का अँचल' कहानी में भोलानाथ अत्यंत डरे होने पर अपने पिता के पास न जाकर 'माता के अँचल में जाकर क्यों छिपता है, क्यों?

(ग) 'माता का अंचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक बताइए।

13. **निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए।** **(7×1=7)**

(क) राष्ट्र के प्रति विद्यार्थियों का कर्त्तव्य –

संकेत बिंदु :–

1. सुरक्षित राष्ट्र की कामना,
2. विद्यार्थी का कर्त्तव्य
3. कर्त्तव्यनिष्ठा
4. संकटों में सहायक
5. राष्ट्र प्रेमी विद्यार्थी

(ख) सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा

संकेत बिंदु –

यातायात के नियम के पालन का महत्व

नियम का पालन न करने से होने वाली हानियाँ

नियम पालन की उपयोगिता से दुर्घटनाओं से जुड़े भयावह आँकड़े

सड़क सुरक्षा के लिए बनाए गए नियमों का पालन करने का संकल्प

(ग) अभ्यास का महत्व / करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

संकेत बिंदु–

अभ्यास का महत्त्व

इससे होने वाले लाभ

अभ्यास की सीमा का कोई अंत नहीं

महाकवि कालिदास व आचार्य पाणिनी के उदाहरण

4. आप अ०ब०स० स्कूल की दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले विवेक वैश्य है। अस्वस्थ होने के कारण आपको डॉक्टर ने तीन दिनों तक आराम करने की सलाह दी है। इन तीन दिनों के अवकाश के लिए प्रधानाचार्य जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5×1=5)

अथवा

आप दिल्ली में रहने वाले विक्रम हैं। अपने दादा–दादी को ग्रीष्मावकाश में कुछ समय अपने साथ बिताने के लिए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

15. आप वंश / वंशिका हैं। आप बी०ए० कर चुके हैं। किसी कार्यालय में लिपिक पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। (5×1=5)

अथवा

आपके विद्यालय में 'स्वतंत्रता दिवस' मनाया गया। इस आयोजन की जानकारी देने के लिए विद्यालय के प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में ई–मेल लिखिए।

16. वोट डालने हेतु लोगों को जागरूक बनाने के लिए 'जागरूक नागरिक मंच' संस्था द्वारा जनहित में जारी 40 शब्दों में एक विज्ञापन बनाइए। (5×1=5)

अथवा

शिक्षक–दिवस पर अपने अध्यापक को 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

◈◈◈